देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 201 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...लोगों को रोजगार बचाने की फिक्र

पेज थ्री

देहरादून, बृहस्पतिवार, 12 नवंबर 2020

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 14.0°

37244.59 | 2 बाइडेन की टीम में 20 से अधिक भारतवंशी | 7 रोहित शर्मा विराट से बेहतर कप्तान

संक्षिप्त समाचार

सुको ने अर्नब गोस्वामी को रिहा करने का दिया आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी और अन्य सह आरोपियों को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ का कहना है कि अर्नब गोस्वामी और दो अन्य आरोपियों को 50,000 रुपये के बांड पर अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को तत्काल आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कनने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट का अंतरिम जमानत की मांग ठुकराना गलत था। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से इस सब (अर्नब के टीवी पर तानो) को नजरअंदाज करने की नसीहत दी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत आए ऑनलाइन न्यूज पोर्टल-ऑनलाइन कंटेंट व प्रोग्राम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश में चलने वाले ऑनलाइन न्यूज पोर्टल और ऑनलाइन कंटेंट प्रोग्राम अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत आएंगे। इसकी अधिसूचना केंद्र सरकार की ओर से आज जारी की गई है। केंद्र सरकार ने बुधवार को ऑनलाइन न्यूज पोर्टलों, ऑनलाइन कंटेंट प्रोवाइडरों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत लाने से जुड़ा आदेश जारी किया।

पीएम मोदी ने जताया जनता का आभार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। इसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जश्न तो महागठबंधन सहित अन्य विपक्षी गठबंधनों व दलों में निराशा का माहौल है। एनडीए में सरकार गठन की कवायद भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में बुधवार का दिन गहमा-गहमी भरा रहेगा, यह तय है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अतिम शाह सहित कई नेताओं ने एनडीन की जीत पर जनता का आभार प्रकट किया है।

लद्दाख सीमा पर घटेगा तनाव!

दोनों देशों की सेनाओं ने यथास्थिति बरकरार रखने के लिए तीन चरणों में पीछे हटने की योजना पर सहमति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लद्दाख। अगले हफ्ते होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बैठक से पहले पूर्वी लद्दाख सीमा से बड़ी खबर है। सूत्रों की मानें तो पूर्वी लद्दाख पर जारी भारत और चीन के बीच गतिरोध जल्द ही खत्म हो सकता है। दोनों देशों की सेनाओं ने यथास्थिति बरकरार रखने के लिए तीन चरणों में पीछे हटने की योजना पर सहमति दी है। इसके बाद दोनों ओर की सेनाएं अप्रैल-मई वाली अपनी पुरानी स्थिति में वापस अपनी-अपनी जगहों पर लौट जाएंगी।

बता दें कि दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते 6 नवंबर को चुशुल में 8वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई थी। इसी बैठक में तीन चरणों में पीछे हटने की योजना पर चर्चा की गई थी। सूत्रों ने बताया कि योजना को पैंगोंग झील

सेनाएं अप्रैल-मई वाली अपनी पुरानी स्थिति में वापस अपनी जगहों पर लौट जाएंगी

इलाके में हुई बातचीत से एक हफ्ते में पूरा किया जाएगा। इस योजना को तीन चरणों में बांटा गया है।

दूसरे चरण में पैंगोंग के उत्तरी छोर से वापस जाएंगी सेनाएं

योजना के दूसरे चरण के तहत, पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर दोनों ओर की सेनाएं वापस अपने स्थानों पर लौटेंगी। इसमें तीन दिनों तक रोजाना अपनी-अपनी सैन्य टुकड़ियों को 30 फीसदी तक हटाएंगी। इस चरण में भारतीय सेना धान सिंह थापा के प्रशासनिक पोस्ट के नजदीक वापस आ जाएगी जबकि चीनी सेना फिंगर 8 से पीछे अपनी पोजिशन पर वापस लौटने को राजी हुई है।

तीसरे चरण में पैंगोंग के दक्षिणी किनारे से पीछे हटेंगी सेनाएं

योजना के तीसरे और अंतिम चरण के अनुसार, दोनों ओर की सेनाएं चुशुल और रेजांग ला क्षेत्र के आसपास के इलाकों समेत पैंगोंग झील क्षेत्र के दक्षिणी किनारे से अपनी वर्तमान स्थिति से वापस लौट जाएंगी। इस इलाके में भारतीय सेना ने ऊंचाई वाले इलाकों में कब्जा किया है जबकि चीन ने भी अपनी पोजिशन यहां मजबूत बना ली थी।

सेना ने अभी नहीं की आधिकारिक पुष्टि: बता दें दोनों देशों के बीच 15 जून की मध्य रात्रि में पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी पर झड़प हुई थी जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे।

डिस्इंगेजमेंट प्लान पर सहमति की अभी भारतीय सेना की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है हालांकि सूत्रों का कहना है कि इस योजना के तहत दोनों देशों के बीच बात बन गई है। सूत्रों का कहना है कि मामला संवेदनशील होने की वजह से अभी सेना कुछ भी कहने से बच रही है।

पहले चरण में टैंक और तोप हटाएंगे दोनों देश

योजना के पहले चरण में दोनों देशों की आर्म्ड वीकल यानी टैंक, तोपों और हथियारों से लैस सैन्य वाहनों को सीमा पर तैनाती से वास्तविक नियंत्रण रेखा से एक महत्वपूर्ण दूरी पर वापस ले जाया जाएगा। दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के अनुसार, टैंक और सैन्य वाहन एक दिन के अंदर-अंदर वापस अपने स्थानों को भेजे जाएंगे। दोनों देशों के बीच 6 नवंबर को बैठक हुई थी जिसमें विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव नवीन श्रीवास्तव और सैन्य संचालन महानिदेशालय के ब्रिगेडियर घई ने हिस्सा लिया था।

गैरसैंण में हमें समानान्तर व्यवस्थायें करनी होती हैः सीएम

गैरसैंण में विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं के विकास की प्लानिंग के लिए कमेटी गठित

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि गैरसैंण राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी है। अतः ग्रीष्मकालीन राजधानी के अनुरूप गैरसैंण में हमें समानान्तर व्यवस्थायें करनी होती है, इस दृष्टि से आगामी 10 वर्षों में गैरसैंण में विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं के विकास की प्लानिंग के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। राज्य सरकार द्वारा किये जाने वाले निवेश के अतिरिक्त इसमें प्राईवेट इन्वेस्टर भी आयेंगे। गैरसैंण क्षेत्र की तमाम अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, बिजली, सीवरेज आदि की तमाम व्यवस्थायें की जानी होगी। गैरसैंण में अच्छे विद्यालय, खेल मैदान

मनोरंजन के तमाम संसाधनों के विकास आदि के लिये 25 हजार करोड़ रूपए की घोषणा उनके द्वारा की गई है। इस दिशा में पहला कार्य इस क्षेत्र में पर्याप्त भूमि की व्यवस्था तथा बेहतर कनेक्टिविटी पर ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवालीखाल से भराड़ीसैंण तक डबललेन सड़क निर्माण के लिए 09 करोड़ की धनराशि उपलब्ध करायी गई है। चार हेलीकाप्टरां के उतरने लायक हेलीपैड के निर्माण हेतु भी धनराशि उपलब्ध करायी गई है। गैरसैंण में ग्रीष्मकालीन राजधानी को समानान्तर व्यवस्थाओं के लिये बड़े इन्वेस्टमेंट की भी मुख्यमंत्री ने जरूरत बतायी।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से घर से बाहर निकलने पर मास्क का उपयोग करने तथा पटाखों का कम से कम इस्तेमाल करने की अपील की।

रात्रि में सिर्फ दो घंटे जलाए जा सकेंगे पटाखे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। प्रदेश में दीपावली, गुरु पर्व और छठ के मौके पर पटाखों का सीमित इस्तेमाल ही किया जा सकेगा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों का पालन किया जाएगा। चार जिलों के छह शहरों देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, हल्द्वानी, रुद्रपुर एवं काशीपुर में केवल ग्रीन क्रेकर्स (पटाखों) की बिक्री होगी। पटाखे केवल रात्रि में केवल दो घंटे ही जलाए जा सकेंगे।

एनजीटी ने वायु प्रदूषण और कोविड-19 के मद्देनजर कम वायु प्रदूषण वाले पटाखों के बेचने और जलाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश चार जिलों हरिद्वार, देहरादून, ऊधमसिंहनगर और नैनीताल के लिए हैं। मुख्य सचिव ओमप्रकाश ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। इसके मुताबिक उक्त छह नगरों की सीमा में केवल ग्रीन क्रेकर्स ही रात्रि आठ से दस बजे तक जलाए जा सकेंगे। छठ पूजा पर सुबह छह बजे से आठ बजे तक पटाखों के इस्तेमाल की इजाजत दी गई है।

निर्देश

■नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों का पालन किया जाएगा

गौरतलब है कि एनजीटी ने वायु प्रदूषण के हिसाब से गंभीर स्थिति वाले शहरों में दीपावली पर पटाखे जलाने पर सख्त रुख अपनाया है। उत्तराखंड में चार जिलों में अन्य नौ जिलों की तुलना में पटाखे ज्यादा जलाए जाते हैं। उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड राज्य के उक्त छह शहरों वायु प्रदूषण के स्तर का आकलन करता है। इन शहरों में ही वायु प्रदूषण अधिक है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

नरवाने ने चीन सीमा पर चौकियों का किया हवाई निरीक्षण

संवाददाता

उत्तराखंड में चीन से लगती है 345 किलोमीटर लंबी सीमा

गोपेश्वर (चमोली)। थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवाने ने चमोली जिले के माणा पास स्थित भारत चीन सीमा पर स्थित सेना की चौकियों का हवाई निरीक्षण किया। इसके बाद वह जोशीमठ लौटे। कार्यक्रम के अनुसार बुधवार सुबह लगभग 11 बजकर 50 मिनट पर भारतीय थल सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवाने के हैलीकॉप्टर को बदरीनाथ के माणा में सेना के हैलीपैड पर उतरना था। इसके लिए हैलीपैड पर तैयारियां की गईं थी, लेकिन सेना अध्यक्ष के हैलीकाप्टर ने यहां लैंडिंग नहीं की।

हालांकि थल सेनाध्यक्ष ने माणा पास की चीन सीमा भारतीय सेना की चौकियों का निरीक्षण किया।

सूत्रों के अनुसार थल सेनाध्यक्ष जनरल नरवाने ने नीती पास, रिमखिम का भी हवाई निरीक्षण किया। इसके बाद वह ब्रिगेड हेडक्वाटर जोशीमठ पहुंचे हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार थल सेनाध्यक्ष कल गुरुवार को भी सीमा का दौरा कर सकते हैं। थल सेनाध्यक्ष का कल वापस लौटेंने का भी कार्यक्रम है।